जबसे मिले हो सांवरे | By Komal Tiwari

जब से मिले हो साँवरे, दुनिया संवर गई
अश्कों से नम मेरी ज़िंदगी, खुशियों से भर गई
जब से मिले.....

हाथों में हाथ ले लिया, इसे छोड़ना नही
नाज़ुक बहुत है दिल मेरा, इसे तोड़ना नही
जबसे छवि तेरी सांवली, दिल में उतर गई
अश्कों से नम मेरी ज़िंदगी, खुशियों से भर गई

किस्मत हो या समय के रंग, सबने सितम किआ
तुने शरण में साँवरे, जब से मुझे लिया
सिर पे जो थीं मुसीबतें जाने किधर गई
अश्कों से नम मेरी ज़िंदगी, खुशियों से भर गई

दिलवर तू ही, दिलदार तू हमराज़ तू सनम
तू ही खुशी तू जान है मेरे साँवरे सनम
तुम ही दिखे जिधर जहाँ ,मेरी नज़र गई
अश्कों से नम मेरी ज़िंदगी, खुशियों से भर गई

खुद को बचा के लहरों से कितना चले थे हम
फिर भी मेरी कश्ती फंसी, इस बात का था ग़म
तेरी कृपा से 'बेधड़क', हालत सुधर गई
अश्कों से नम मेरी ज़िंदगी, खुशियों से भर गई

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%9c%e0%a4%ac%e0%a4%b8%e0%a5%87-%e0%a4%ae%e0%a4%bf%e0%a4%b2%e0%a5%87-%e0%a4%b9%e0%a5%8b-%e0%a4%b8%e0%a4%be%e0%a4%82%e0%a4%b5%e0%a4%b0%e0%a5%87-by-komal-tiwari/